घड़ियाल कैलेंडर २०१४-२०१५

Gharial Calender 2014- 2015

July - October 2014 | जुलाई - अक्टूबर २०१४

JULY

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

AUGUST

M	T	W	T	F	S	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

SEPTEMBER

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

OCTOBER

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

- वयस्क मादाएं और प्रमुख नर एक से दो महीनों तक बच्चों की रक्षा करते हैं। वर्षा ऋतु में आई बाढ़ में बच्चे और बेड़े बिछड़ जाते हैं और बाढ़ के कम होने पर अक्टूबर तक छोटे झुंडों में एकत्रित हो जाते हैं।

- Adult females and the dominant male attend to and protect the young for atleast 1-2 months. Gharials are mostly dispersed during high monsoonal floods and eventually congregate in small groups by October when the floods have subsided.

November - December 2014 | नवम्बर से दिसंबर २०१४

NOVEMBER

M	T	W	T	F	S	S
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

DECEMBER

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

- शीत ऋतु के आगमन पर तापमान कम होने के साथ-साथ घड़ियाल दिन के समय कई घंटों तक धूप सेंकते पाये जाते हैं। दिसंबर के महीने में इनके बड़े झुण्ड धूप सेंकते दिखाई देते हैं जिसके बाद जनवरी में प्रणय और समागम शुरू होता है।

- With decreasing temperatures, gharials bask for several hours every day through the winter months up to February. Large basking aggregations are seen in December, prior to courtship and mating in January.

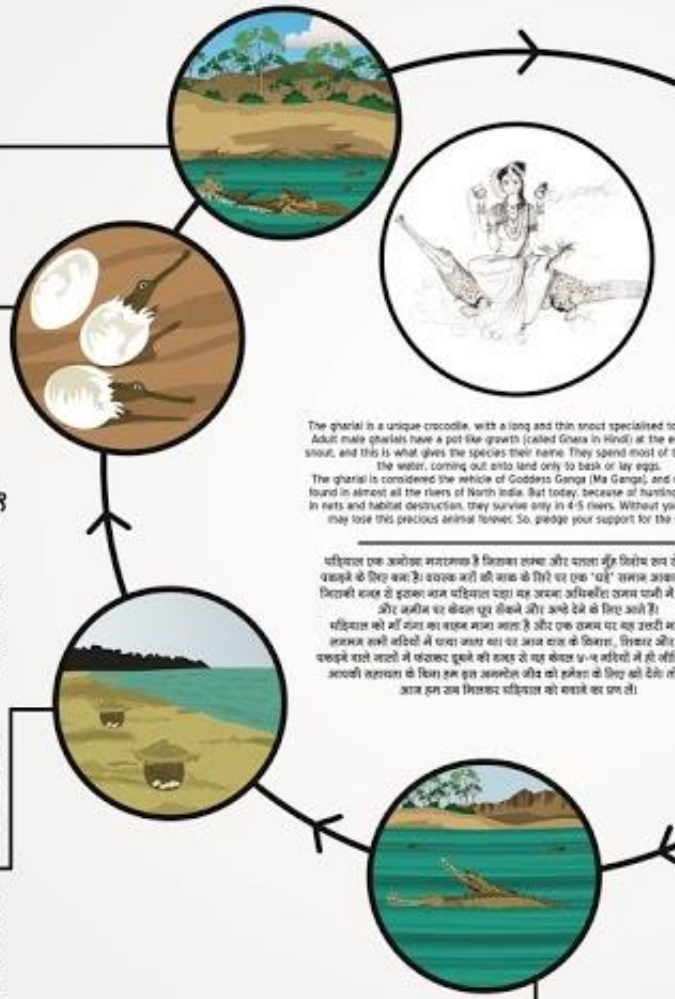

January - February 2015 | जनवरी से फरवरी २०१५

JANUARY

M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

FEBRUARY

M	T	W	T	F	S	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	

- बड़े उपवयस्क और वयस्क घड़ियाल इस समय प्रणय और समागम के लिए इकट्ठे होते हैं। समागम के बाद लगभग १.५ महीने तक अण्डे विकसित होते हैं।

- Large sub-adult and adult gharials aggregate in this period for courtship and mating, after which eggs are laid about one and a half months later.

March - mid April 2015 | मार्च से मध्य अप्रैल २०१५

MARCH

M	T	W	T	F	S	S
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

APRIL

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

- घोसला बनाने वाली मादाएं गहरे पानी से सटे तटों पर घोसले बनाने का पूर्वाभ्यास करने लगती हैं। उपयुक्त स्थान मिल जाने पर मादाएं बालू के खड़े तटों को खोदकर उसमें लगभग ४० अण्डे देती हैं और घोसलों को ढक देती हैं। मादाएं २-३ महीने के ऊष्मायन समय में अपने नीड़ की रक्षा करती हैं और परिचर वयस्क नर भी अक्सर वहां उपस्थित होते हैं।

- Nesting females assemble near sand deposits adjacent to deep water and begin trial-nesting. Once suitable sites are found, nests are excavated in steep sandbanks and an average of 40 eggs are laid and covered. Females guard the nests through the 2-3 month incubation period and attendant adult males are also often present.

May - June 2015 | मई से जून २०१५

MAY

M	T	W	T	F	S	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

JUNE

M	T	W	T	F	S	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

- फूटने के लिए तैयार बच्चे अण्डों के अंदर से आवाज़ लगाते हैं। मादाएं उन्हें बाहर निकलने में मदद करती हैं जिसके बाद बच्चे झुण्ड में किनारे पर इकट्ठे हो जाते हैं।
- जल्द ही अण्डों से निकले बच्चे नर्सरी के रूप में एकत्रित हो जाते हैं और वयस्क घड़ियाल उनकी देखभाल करते हैं।

- The developed young are ready to hatch and begin calling from the nests. The females help the hatchlings emerge from the nest.
- The hatchlings then group together to form a nursery and are looked after by the adults.

The gharial is a unique crocodile, with a long and thin snout specialised to catch fish. Adult male gharials have a pot like growth (called Ghara in Hindi) at the end of their snout, and this is what gives the species their name. They spend most of their time in the water, coming out onto land only to bask or lay eggs.
The gharial is considered the vehicle of Goddess Ganga (Ma Ganga), and used to be found in almost all the rivers of North India. But today, because of hunting, drowning in nets and habitat destruction, they survive only in 4-5 rivers. Without your help, we may lose this precious animal forever. So, pledge your support for the gharial.

घड़ियाल एक अनोखा मगरमच्छ है जिसका लम्बा और पतला मुँह विशेष रूप से मछली पकड़ने के लिए बना है। वयस्क नरों की नाक के सिरे पर एक 'घड़े' समान आकार होता है जिसकी वजह से इसका नाम घड़ियाल पड़ा। यह अपना अधिकतर समय पानी में बिताते हैं और ज़मीन पर केवल धूप सेंकने और अण्डे देने के लिए आते हैं।
घड़ियाल को माँ गंगा का वाहन माना जाता है और एक समय पर यह उत्तरी भारत की लगभग सभी नदियों में पाया जाता था। पर आज वास के विनाश, शिकार और मछली पकड़ने वाले जालों में फंसकर डूबने की वजह से यह केवल ४-५ नदियों में ही जीवित बचे हैं। आपकी सहायता के बिना हम इस अनमोल जीव को हमेशा के लिए खो देंगे तो आइये आज हम सब मिलकर घड़ियाल को बचाने का प्रण लें।

SAN DIEGO ZOO | Rufford | GHARIAL CONSERVATION ALLIANCE | MADRAS CROCODILE BANK TRUST

ॐ

गंगा मईया की जान ; अपने देश की शान – घड़ियाल

श्री कृष्ण भगवान कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर पांडव महायोद्धा अर्जुन के लिए श्रीमद्भगवत गीता के दिव्यज्ञान की व्याख्या करते समय कहते हैं कि विश्व में हर श्रेष्ठ वस्तु या जीव में परमात्मा विराजमान है।

"पवनः पवतामस्मि रामः शस्त्रभृतामहम् ।
झषाणां मकरश्चास्मि स्रोतसामस्मि जाह्नवी ॥" (अध्याय 10:31)

अर्थात

" मैं पवित्र करने वालों में वायु, और शस्त्रधारियों में श्रीराम हूँ।
जलचरों में घड़ियाल हूँ, और नदियों में मैं श्रीभागीरथी गंगा हूँ। "

वास्तव में घड़ियाल जलचरों में श्रेष्ठ एवं उनका परमात्मा स्वरूप है। पृथ्वी पर पाए जाने वाले अन्य 23 मगरमच्छों से विपरीत विशालकाय घड़ियाल, एकमात्र अनोखा मछुआरी मगर प्रजाति है और चमत्कार की बात यह है कि यह केवल श्रीभागीरथी गंगा तंत्र में ही पाया जाता है।

आज से लगभग 100 वर्ष पहले गंगाजी एवं यमुना/चंबल जैसी इसकी सहायक नदियों में घड़ियाल बड़ी संख्या में पाए जाते थे। मनुष्य द्वारा इसकी व्यापक हत्या एवं आवास परिवर्तन ने इस जंतु को विलुप्ति के कगार पर ढकेल दिया। वर्ष 1970 के आस पास सभी नदियों में ढूंढने के बाद मात्र 200 से भी कम जीवित घड़ियालों का पता लगाया जा सका। और आज 30 वर्ष बाद भी इनकी संख्या 500 तक ही बढ़ी है।

क्या इतिहास हमें श्रीभागीरथी गंगाजी के वाहन श्रेष्ठ जलचर के संहारक के रूप में ही याद रखेगा? घड़ियाल हमारे देश की शान है, हमारी नदियों की जान है। यह प्रकृति का प्रतीक एवं परमात्मा स्वरूप है। इस अद्भुत जीव का अस्तित्व घोर खतरे में है और इसका संरक्षण हमारा परम कर्तव्य भी है। आप इस नेक काम में कैसे योगदान दें –

यदि आप –

एक आम नागरिक हैं – आप घड़ियाल एवं प्रकृति संरक्षण में रूचि लें।
एक प्रशासक हैं – आप अपने प्रशासनिक क्षेत्र के विकास में पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण को महत्व दें।
एक धार्मिक नेता हैं – आप अपने भक्तगणों में घड़ियाल एवं प्रकृति के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाएं।
एक अध्यापक हैं – अपने विद्यार्थियों में घड़ियाल एवं प्रकृति के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाएं।
एक विद्यार्थी हैं – आप अपने मित्रों एवं माता पिता में घड़ियाल एवं प्रकृति के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाएं।
माता पिता हैं – अपने बच्चे एवं मित्रों में घड़ियाल एवं प्रकृति के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाएं।
एक किसान हैं – कीटनाशक दवाओं का उचित एवं वैज्ञानिक विधि से उपयोग करें।
एक मछुआरे हैं – अपने जाल में अकस्मात फंसे घड़ियाल को मुक्त करें और उसे जीवन दान देने का प्रयास करें।

घड़ियाल एवं प्रकृति संरक्षण एक पुण्य का काम ही नहीं,
अपने अस्तित्व के लिए भी आवश्यक है।

SAN DIEGO ZOO   Rufford